BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा मंगलवार विक्रम संवत् 2078 । 07 सितम्बर 2021

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

गर्व : बिहार ने तैयार की देश में पहली महिला कमांडो की फौज

सुरक्षा

पटना | प्रिय रंजन शर्मा

सुरक्षा के लिए कभी दूसरों के भरोसे रहनेवाली महिलाएं अब आतंकियों और नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दे रही हैं। अर्द्धसैनिक बलों के बाद बिहार देश का पहला राज्य बन गया है जिसने महिला कमांडो की टीम तैयार की है। महाराष्ट्र से कमांडो की ट्रेनिंग पूरी कर जल्द ही महिला सिपाही बिहार लौटनेवाली हैं। इन्हें आतंकियों और संगठित अपराध से मुकाबले के साथ वीवीआईपी सुरक्षा के मद्देनजर तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा संभालनेवाली एसएसजी में भी इन महिला कमांडो की तैनाती होगी। बिहार पुलिस की महिला कमांडो वैसे मोर्चों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगी जहां चुनिंदा फोर्स की तैनाती होती है। इन्हें आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) और स्पेशल सिक्यूरिटी ग्रुप (एसएसजी) में प्रतिनियुक्त किया जाएगा। यानी ये आतंकवाली हमलों का मुकाबले करने से लेकर अपराधियों और नक्सलियों के खिलाफ विशेष अभियान का भी हिस्सा बनेंगी। महिला कमांडो न सिर्फ बड़े अभियान का हिस्सा होंगी बल्कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा भी संभलेंगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसएसजी के पास होती है। महिला कमांडो की प्रतिनियुक्ति एसएसजी में भी की जाएगी।

उपलब्धि

- सीएम की सुरक्षा भी संभालेंगी बिहार पुलिस की महिला कमांडो
- सीआरपीएफ के सेंट्रल ट्रेनिंग सेंटर में दिया जा रहा इन्हें प्रशिक्षण
- सितम्बर में ही ट्रेनिंग पूरी कर बिहार लौटेंगी सभी महिला सिपाही

92

चुनिंदा महिला सिपाहियों को भेजा गया है महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में हो रही ट्रेनिंग

महाराष्ट्र के मुलखेड में सीआरपीएफ का सेंट्रल ट्रेनिंग सेंटर है। बिहार पुलिस की महिला सिपाहियों को कमांडो ट्रेनिंग के लिए इसी सेंटर पर भेजा गया है। विशेष प्रशिक्षण के दौरान इन्हें हर परिस्थितियों से मुकाबले के गुर सिखाए गए हैं। इसमें बड़े से बड़े हमलों को नाकाम करने के लिए विशेष प्रशिक्षण के साथ छोट-बड़े अत्याधुनिक हथियारों को चलाने की ट्रेनिंग भी शामिल है।

सूबे में पहले दी जा चुकी है ट्रेनिंग

बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की विभिन्न बटालियनों से चुनी गई महिला सिपाहियों को सीआरपीएफ सेंटर भेजने से पहले बिहार में इनकी प्री कंडिशनिंग ट्रेनिंग कराई गई है। पटना स्थित बीएमपी-5 और जमालपुर में इन्हें कमांडो ट्रेनिंग के लिए तैयार करने के बाद मुलखेड भेजा गया है। बीएमपी की डीआईजी गरिमा मल्लिक और कमांडेट सुशील कुमार जल्द ही मुलखेड जानेवाले हैं। इसके बाद सभी महिला कमांडो बिहार आएंगी।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.09.2021 | पृष्ठ सं० 1

प्रदेश में अबतक चार करोड़ से ज्यादा का वैक्सीनेशन

राज्य ब्यूरो, पटना : राज्य में कोविड टीकाकरण का आंकड़ा चार करोड़ के पार पहुंच गया है। सोमवार को एक बार फिर महाभियान चलाकर महज 12 घंटे में करीब 16.33 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई। सोमवार को बिहार का स्थान देश में दूसरा रहा। पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश रहा, जहां 31.62 लाख लोगों को टीका लगाया गया।

समाचार लिखे जाने तक 3.79 लाख लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई। करीब 12 लाख को वैक्सीन की पहली डोज। कोविन पोर्टल पर रात साढ़े नौ बजे तक अपलोड आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में सोमवार को 9352 सेंटर सक्रिय किए गए थे। इनमें से 11 सेंटर प्राइवेट अस्पतालों में थे। महाभियान सुबह नौ बजे प्रारंभ हुआ और यह देर रात तक जारी रहेगा। अभियान के दौरान 16.33 लाख लोगों को टीके दिए गए। राज्य में अब टीकाकरण का आंकड़ा 4.10 करोड़ के पार पहुंच गया है। इनमें करीब 3.40 करोड़ ने पहला व 69.98 लाख ने दूसरा टीका लिया है। इसके पहले स्वास्थ्य विभाग ने 31 अगस्त को भी महाभियान चलाया था। 31 अगस्त को चले महाभियान के दौरान एक दिन में 27,21,787 लोगों को कोविड के टीके दिए गए।

देश में एक करोड़ लोगों को लगे टीके >> पेज 15

जिंदगी का टीका

- सोमवार को 16.33 लाख को लगा टीका, प्रदेश का रहा दूसरा स्थान
- 4.10 करोड़ को दिए जा चुके हैं टीके, 9352 टीका केंद्र सक्रिय

पटना के होटल पाटलिपुत्र अशोक में वैक्सीन लगवाती युवती। • जागरण

छह सितंबर को टीकाकरण

कुल टीकाकरण -	16,33,358
टीके की पहली डोज-	12,53,975
टीके की दूसरी डोज -	3,79,383
सेंटर बनाए गए थे -	9352

ऐसे बढ़ता गया वैक्सीनेशन

15 जनवरी से 26 मई-	1 करोड़
27 मई से 16 जुलाई -	2 करोड़
17 जुलाई से 14 अगस्त -	3 करोड़
15 अगस्त से 6 सितंबर -	4 करोड़

टीकाकरण पर एक नजर

कुल टीकाकरण -	4,10,91,240
पहला टीका -	3,40,93,203
दूसरा टीका -	69,98,037

सौजन्य से दैनिक जागरण पटना | 07.09.2021 | पृष्ठ सं० 1

उपमुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

दानापुर। उपमुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद से सोमवार को गंगा समग्र बिहार प्रांत का तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल मिला। प्रतिनिधियों ने गंगा घाटों के विकास के लिए अपनी योजना से अवगत कराया। संयोजक रमा शंकर सिन्हा, प्रांत संयोजक शंभू नाथ पांडेय व रौशन सिंह ने बताया कि उपमुख्यमंत्री से गंगा घाटों पर जाने वाले रास्ते का पक्कीकरण, घाटों का विकास व सौदर्यीकरण, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम आदि का निर्माण कराये जाने और शहरों से गंदे नाले का पानी जो गंगा में जाता है, उसके रोकने के लिए एसटीपी का निर्माण की बात कही गई ।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.09.2021 | पृष्ठ सं० 8

तैयारी शाहाबाद से होगी शुरुआत, पराली जलाने की सर्वाधिक शिकायतें इसी इलाके से

पुआल से बनेगा बायोचार उर्वरक

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार में धान के पुआल (पराली) को उच्च तापमान पर जलाकर बायोचार उर्वरक बनाया जाएगा। यह मिट्टी में कार्बन की कमी को दूर करता है, लिहाजा इसे खेतों में डालने से उसकी उर्वरा-शक्ति बढ़ जाती है। बहरहाल किसानों को यह उर्वरक मुफ्त में दिया जाएगा। बायोचार उत्पादन के लिए कृषि विभाग कृषि विज्ञान केंद्रों में भट्ठी लगाएगा और किसानों से पुआल की खरीद करेगा।

जलवायु अनुकूल खेती के तहत बायोचार के उत्पादन की योजना बनाई गई है। इस उपक्रम से पर्यावरण को प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा। दरअसल, पुआल जलाने से उत्सर्जित होने वाला कार्बन डाई आक्साइड वायुमंडल को प्रदूषित करता है, जबकि बायोचार के लिए एक विशेष प्रकार की भट्ठी होती है। उससे कार्बन ठोस रूप में अवशोषित हो जाता है। कृषि सचिव डा. एन सरवण कुमार ने इस नई योजना को इसी खरीफ फसल में धान की कटाई के साथ लागू करने का निर्देश दिया है।

400 डिग्री सेंटीग्रेड पर भट्ठी में जलाया जाएगा पुआल, बढ़ेगी खेतों की उर्वरा-शक्ति

ऐसे बनता है बायोचार

पुआल को भट्टी में 400 डिग्री सेंटीग्रेड पर जलाया जाता है। जलाने के बाद जो कार्बन अवशेष बचता है, वही बायोचार होता है। जलाए जाने वाले पुआल की मात्रा का 60 फीसद बायोचार निकलता है। उसे मिट्टी में मिला देने से खेतों में कार्बन की कमी दूर हो जाती है।

डेढ़ लाख की भट्ठी : योजना की शुरुआत शाहाबाद (आरा, बक्सर, रोहतास और कैमूर जिला) से होगी। शाहाबाद के किसान विज्ञान केंद्रों में भट्ठी की खरीद होगी। एक भट्टी की कीमत तकरीबन डेढ़ लाख रुपये है। बिहार के सभी जिलों की मिट्टी में कार्बन की कमी है।

सौजन्य से दैनिक जागरण पटना | 07.09.2021 | पृष्ठ सं० 1

पटना की लाइफलाइन

राजधानी को पूर्वी से पश्चिमी छोर तक एक कड़ी में जोड़ेगी मेट्रो

पटना में पिछले एक दशक में कई बड़े बदलाव हुए हैं। आधारभूत संरचनाओ के निर्माण से विकास को गति मिली है। फ्लाईओवर और ओवरब्रिज का जाल बिछने के साथ ही सड़कें भी चौड़ी हुई हैं। गोलघर के बाद ऐतिहासिक बिहार संग्रहालय और सभ्यता द्वार इसकी पहचान बन रहे हैं। सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में ज्ञान भवन और बापू सभागार बनने से बड़े-बड़े आयोजन हो रहे हैं। आने वाले समय में राजधानी में और बदलाव होंगे। हम इन बदलावों को आपके सामने किस्तों में ला रहे हैं। प्रस्तुत है रिपोर्ट :

2024 के अंत तक पटना में मेट्रो ट्रेनों का संचालन शुरू होने की उम्मीद

बदलता पटना 1

पटना | वरीय संवाददाता

पटना शहर में जाम की समस्या और सुगम आवागमन के लिए मेट्रो एक महत्वपूर्ण साधन होगा। आने वाले दिनों में पटना मेट्रो शहर वासियों के लिए लाइफलाइन बन जाएगी क्योंकि हर साल सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में लोगों को शहर में चलने के लिए मेट्रो एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में होगा। पटना शहर में कुल 32 किलोमीटर में मेट्रो का संचालन होगा। 18 किलोमीटर में मेट्रो अंडरग्राउड चलेगी, जबकि एलिवेटेड ट्रैक पर चलने के लिए 14 किमी एरिया चिह्नित किया गया है। वैसे तो मार्च 2023 तक मेट्रो के पहले चरण का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन काम धीमी गति से चलने के कारण समय पर पूरा होने की कम उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि 2024 के अंत तक पटना में मेट्रो ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा।

मलाही पकड़ी से बाइपास के बीच मेट्रो संचालन के लिए हो रहा निर्माण कार्य। • हिन्दुस्तान

अभी पांच फीसदी हुआ काम

मेट्रो परियोजना के काम की शुरुआत पिछले साल हुई है। अभी मलाही पकड़ी पर काम चल रहा है। वहां से प्रथम चरण में आईएसबीटी, बैरिया तक के कोरिडोर का निर्माण होना है। आईएसबीटी के पास मेट्रो का डिपो भी बनना है। महज पांच प्रतिशत काम हुआ है।

32 किलोमीटर में दौड़ेगी मेट्रो ट्रेन

14 किलोमीटर अंडरग्राउड चलेगी मेट्रो

"मेट्रो निर्माण एजेंसी को जिला प्रशासन की ओर से जरूरत के मुताबिक सुविधाएं दी जा रही हैं। चाहे मेट्रो के लिए भूमि अधिग्रहण का मामला हो या स्थानीय तौर पर होने वाली समस्या का समाधान। सभी प्रकार से मेट्रो निर्माण एजेंसी को मदद की जा रही है। पटना मेट्रो परिचालन के लिए ट्रैक, स्टेशन और डिपो का निर्माण समय पर पूरा हो इसके लिए हर तरह से प्रयास किया जा रहा है। समय-समय पर मैं खुद प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी में इसकी समीक्षा करता हूं। – **डॉ. चंद्रशेखर सिंह,** डीएम पटना।

जाम की समस्या कम होगी

पटना में जिस रूट पर मेट्रो का परिचालन होगा वहां पर निजी और व्यावसायिक वाहनों का सड़क से ऐसे ही दबाव कम हो जाएगा। पटना में सबसे अधिक जाम की समस्या मुख्य शहर में है। यहां मेट्रो अंडरग्राउड रहेगी इसीलिए सड़क जाम की समस्या कम हो जाएगी। अफसरों का कहना है कि प्रत्येक दो किलोमीटर में एक स्टेशन बनाया जा रहा है।

कम समय में अधिक दूरी तय करेंगे

मेट्रो में कम समय अधिक दूरी तय कर सकेंगे। खासकर नौकरी, कॉलेज स्टूडेंट और व्यवसाय करने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी। जिन इलाकों में सरकारी और प्राइवेट दफ्तर हैं वहां मेट्रो जाएगी। खासकर सचिवालय के पास कार्यालय अवधि में काफी भीड़ होती है। इसीलिए विकास भवन के पास भी मेट्रो का एक स्टेशन दिया गया है।

पटना मेट्रो परियोजना के लिए दो कोरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें पहला कोरिडोर दानापुर से जगनपुरा तक होगा। यह कोरिडोर 17.933 किलोमीटर का होगा। इस कोरिडोर में

मेट्रो कॉरिडोर-1 सगुना मोड़, आरपीएस मोड़, पाटलिपुत्रा, रूकनपुरा, राजबाजार, पटना जू, विकास भवन, विद्युत भवन, पटना रेलवे स्टेशन, मीठापुर, रामकृष्णानगर, जगनपुरा में मेट्रो रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे। पहले कोरिडोर में कुल 14 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे।

मेट्रो कॉरिडोर-2 मेट्रो के लिए दूसरा कोरिडोर, पटना रेलवे स्टेशन से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल तक 14.564 किलोमीटर का होगा। इसमें आकाशवाणी, गांधी मैदान, पीएमसीएच, पटना यूनिवर्सिटी, मोइनुल हक स्टेडियम, राजेंद्रनगर, मलाही पकड़ी, खेमनीचक, भूतनाथ, जीरो माइल मेट्रो स्टेशन होंगे। दूसरे कोरिडोर में 12 मेट्रो स्टेशन बनेंगे।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.09.2021 | पृष्ठ सं० 2

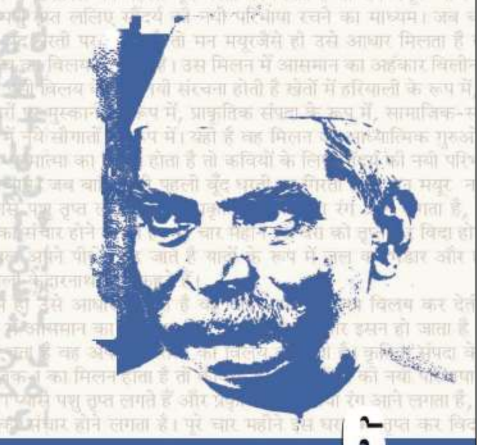

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	54
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	6
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	15
⇒ कुल वैक्सीनेशन	3,95,40,878
⇒ कम से कम एक डोस	27.5%
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	5.5%

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर

दक्षिण कोरिया

जापान

हॉग कॉग

यू.ए.ई.

सिंगापुर

बहरीन

न्यूजीलैंड

कनाडा

यू.एस.ए.

ऑस्ट्रेलिया

सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई	हैदराबाद	पुणे
चेन्नई	नागपुर	गुजरात
कोलकाता	वाराणसी	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.